आज समाज 21/05/2025

जीएमएन कॉलेज में स्टूडेंट्स के लिए जीएमएम स्टार्टअप व इंक्यूबेशन सेंटर का शुभारंभ

भारत के युवा नौकरी देने वाले बनने की क्षमता रखते हैं : प्रदीप

आज समाज नेटवर्क

अंबाला। गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज अंबाला छावनी में 'जीएमएम स्टार्टअप और इंक्यूबेशन सेंटर' का भव्य शुभारंभ अत्यंत हर्षोल्लास एवं प्रेरणास्पद वातावरण में संपन्न हुआ। यह सेंटर युवाओं में स्वरोजगार और नवाचार की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है।

इस अवसर के मुख्य अतिथि रहे। प्रदीप एक प्रमुख फार्मास्यूटिकल व्यवसायी और समाजसेवक, अनुज अग्रवाल निदेशक, ऑलटूरिस्ट टेक्नोलॉजी इन दोनों विशिष्टजनों ने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने और नवाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। प्रदीप ने कहा भारत के युवा आज केवल नौकरी ढूंढने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनने की क्षमता रखते हैं।

इस प्रकार के इंक्यूबेशन सेंटर उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करने में मील का पत्थर साबित होंगे। कार्यक्रम में प्रमुख बातें और

मुख्यातिथि रिबनकाटकर शुभारंभ करते हुए।

सेवाएं जो स्टार्टअप सेंटर के अंतर्गत शुरू की गई हैं: कस्टमाइज प्रिंटिंग सेवाएं (टी-शर्ट, मग, स्टेशनरी आदि), व्यक्तिगत ब्रांडिंग और सोशल मीडिया मार्केटिंग, प्रोफेशनल शूट्स और इवेंट मैनेजमेंट, वेबसाइट डिजाइनिंग और डिजिटल विज्ञापन प्रबंधन। कॉलेज गवर्निंग बॉडी के प्रधान डॉ गुरदेव सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्री प्रदान करना ही नहीं, बल्कि उन्हें व्यावहारिक कौशल देना है ताकि वे पढ़ाई के साथ-साथ आय अर्जन भी कर सकें। अजय अग्रवाल, महासचिव, जसवंत जैन, प्रेसिडेंट, जीएमएन ट्रस्ट एंड मैनेजमेंट सोसायटी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने हेतु यह एक छोटा परंतु सार्थक कदम है। डॉ. रोहित दत्त ने यह भी बताया कि यह पूरा स्टार्टअप सेंटर जीएमएन कॉलेज के अंतर्गत संचालित होगा, जहाँ विद्यार्थियों को न केवल प्रशिक्षण मिलेगा बल्कि उन्हें बाजार के लिए तैयार उत्पाद और सेवाएं देने का मंच भी प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर कपिल मदान, डॉ प्रबलीन कौर, श्याम रहेजा डॉ तृप्ति शर्मा एवं स्टार्टअप सेंटर से जुड़े अन्य प्राध्यापकगण भी शामिल रहे। इन सभी ने मंच पर अपने विचार साझा किए और विद्यार्थियों को स्टार्टअप गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की भागीदारी देखी गई, जिन्होंने स्टॉल्स का अवलोकन किया और सेंटर की गतिविधियों में रुचि दिखाई।